वीनस पैडी ड्रम सीडर

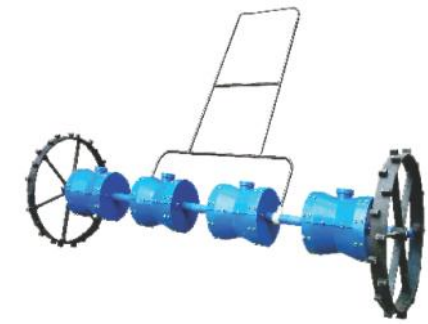

उपभोगकर्ता मैनुअल

परिचय:

- वीनस पैडी ड्रम सीडर का उपयोग धान के बीज की बुआई के लिये किया जाता है। इस विधि में दुबारा रोपाई की आवश्यकता नहीं होती। रोपाई कराने की लागत पूरी तरह बच जाती है। दिन पर दिन कृषि श्रमिकों/मजदूरों की बढ़ ती मांग व खर्च से छुटकारा पाने का यह उपकरण एक मात्र विश्वसनीय समाधान साबित हुआ है।
- इस विधि से बुआई बहुत सीधी और स्पष्ट पक्तियों में करी जा सकती है, जिससे तैयार होने वाले पौधों की देखभाल और रख-रखावों बहुत आसानी से किया जा सकता है। इस विधि से उपजे समस्त पौधों को समानान्तर और पूर्ण रूप से सूर्य का प्रकाश, जल, खाद एवं रसायन की सही मात्रा की आपूर्ति से पौधों का उत्तम विकास होता है। इससे उपज में काफी बढ़ ोत्तरी प्राप्त होती है।
- इस विधि से कृषकों को बीजों की बुआई दर में कमी आने से लाभ होता है।
- यह उपकरण भारत के कई प्रदेशों (पश्चिम बंगाल, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु इत्यादि) एवं कम्पूचिया, लाओस, वियतनाम, थाइलैण्ड जैसे देशों में सफलतापूर्वक इस्तमाल किया जा रहा है।
- वीनस पैडी ड्रम सीडर एक मजबूत और टिकाऊ फ्रेम पर बनाया गया है। इस कारण यह हर प्रकार के तनाव को सहन करने में सक्षम है।
- वीनस पैडी ड्रम सीडर के पहिये विशेष विधि से तैयार करे गये हैं, जिससे ये हल्के होते हुए भी बहुत मजबूत हैं और इस्तेमाल में उतने ही प्रभावशाली होते हैं।
- वीनस पैडी ड्रम सीडर को पैंकिंग से बाहर निकाल कर जोड़ ना और बुआई के लिए तैयार करना बहुत ही सरल है और बहुत कम समय में हो जाता है। इस्तमाल के बाद इसके ड्रम, पहियों, एक्सल इत्यादि को अलग करना और साफ करके भण्डारण के लिए पैक करना उतना ही सरल है।
- वीनस पैडी ड्रम सीडर किसी प्रकार के भी धान के खेत में बुआई कर सकता है, बशर्ते इस मैनुअल में दिये गये सारे निर्देशों का ध्यानपूर्वक पालन किया गया हो।

वीनस पैडी ड्रम सीडर को असेम्बल करना-

- पहले एक पहिये को एक्सल से जोड़ें और नट से कस दें।
- चारों ड्रमों को पहले जमीन पर एक कतार में रखें और इनके दोनों ओर स्पेसर को अपने मनचाहे क्रम में रख लें। स्पेसर चारों ड्रमों को आपकी आवश्यकता अनुसार एक दूसरे से उतना अलग रखेगा। इस प्रकार आप बुआई की कतारों के बीच की दूरी नियंत्रित कर सकते हैं। (इसके लिए दिये गये चित्र की मदद लें)
- जिस क्रम में आप ड्रम और स्पेसरों को जमीन पर रखें उसी क्रम में इन सभी की एक्सल पर फिट कर दें।
- हैडिल के होल्डर उनकी निर्धारित जगह पर लगाना न भूलें। ये होल्डर पहियों से समान दूरी पर होने चाहिये।
- जब सारे पार्ट्स सडिट के एक्सल पर फिट कर चुके हों तब दूसरा पहिया भी एक्सल के दूसरे सिरे में जोड़ कर नट से कस दें।

- अब आपका वीनस पैडी ड्रम सीडर इस्तमाल के लिए तैयार है।
- इस उपकरण को एक व्यक्ति आराम से उठा कर ले जा सकता है, क्योंकि इसका वजन बहुत कम (लगभग 12.5 कि ग्रा) रखा गया है।

बुआई के लिए खेत की तैयारी

- धान के खेत को बुआई से पहले समतल बनाना बहुत आवश्यक है जिससे पानी का भराव खेत में एक समान हो।
- खेत में अच्छे से पानी भरना अति आवश्यक है। अच्छे समतल खेत और उसमें खूब पानी भर कर रोकने से पैदावार में कम से कम 20 प्रतिशत की बढोत्तरी हो सकती है।
- पानी भरे खेत में खरपतवार की रोकथाम व नियंत्रण बहुत सरल हो जाता है।
- समतल खेत में सीधे बुआई (डायरेक्ट सीडिंग) करना भरोसे मंद साबित होता है और रोपाई का खर्च पूरी तरह बच जाता है।
- बुआई करने के 24 घण्टे पूर्व खेत का पानी बहा कर निकालना जरूरी है।
- बुआई के समय केवल एक कागज जितनी पतली पानी की परत पूरे समतल खेत में बराबरी से फैली होनी चाहिये।
- कोई भी खेत का हिस्सा पूरी तरह सूखा व धूप में तपता हुआ नहीं छूटना चाहिये।
- खेत में पानी का नियंत्रण बहुत आवश्यक है, जिसके लिए पानी की निकासी व भराव का उचित और सक्षम प्रबन्ध जरूरी है। यह नियंत्रण कम से कम एक महीने तक करना चाहिये।
- जैसे जैसे धान के पौधे बड़े होंगे वैसे वैसे खेत में पानी का भराव करना होगा। ध्यान रहे कि पौधे ध्यान रहे कि पौधे कभी भी पूरी तरह पानी के नीचे न डूबें।
- जिन क्षेत्रों में बारिश ज्यादा होती है बारिश ज्यादा होती है वहाँ पानी के भराव का नियंत्रण ही उत्तम फसल की सफलता का एक मात्र सूत्र है।

बुआई से पहले बीजों की तैयारी

- सीधी बुआई (डायरेक्ट सीडिंग) के लिए बीजों को बहुत थोड़ा सा अंकुरित करना होता है।
- इसके लिए धान के बीज बोरों में भरकर पानी में 20 से 25 घण्टों तक भिगा दें।
- पानी से निकाल कर कम से कम 10 घण्टों तक अंकुरित होने के लिए छोड़ दें (इन्क्युबेशन)।
- बुआई से फौरन पहले अंकुरित बीजों को छाँव में करीब 20 मिनट तक सुखा लें जिससे ड्रम के अन्दर आसानी से घूम सके।
- बीज तैयार होने के बाद इन्हें ड्रमों में भर लें। चारों ड्रम एक समान भरना चाहिये। बीजों से हर ड्रम को कम से कम आधा और ज्यादा से ज्यादा 2/3 भरना चाहिये जिससे ड्रम के अन्दर बीज आसानी से रोल हो सके। ड्रम भरने के लिए ढक्कन खोलकर हाथ से या कीप (फनेल) से भरें।
- ड्रमों को भरने के बाद उनके ढक्कन अच्छे से बंद करना न भूलें।
- अब आप ड्रमों के छेदों में लगी डाट (प्लग) को बोआई की दूरी के हिसाब से खोल दें। इस प्रकार आप एक कतार में दो पौधों के बीच की दूरी नियंत्रित कर सकते हैं। आमतौर से सही बोआई के लिए एक कतार में हर दूसरे छेद को खोलना चाहिये और बीच वाले छेद को बंद छोड़ देना चाहिये।
- बुआई के समय जैसे ही ड्रम 3/4 खाली हों, तो उन्हें पुन: भर लें।
- लगभग 12 से 15 किलो बीज एक एकड़ बुआई में इस्तमाल होते हैं।

बुआई (डाइरेक्ट सीडिंग) का तरीका

- चारों ड्रमों को निर्देशित मात्रा में भर कर ''वीनस पैडी'' ड्रम सीडर'' को खेत के एक सिरे पर रखें।
- सीडर को केवल एक व्यक्ति खींचते हुए सीधी कतार में पैदल चलाता है। सीडर को चलाने की गति एक समान और नियंत्रित होनी चाहिये। ऐसा न करने से बोआई में समानता नहीं आ पाती है। आमूमन एक व्यक्ति लगभग 1-1.25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ड्रम सीडर चलाता है।

- हैण्डल से खींचने पर ड्रम घूमना शुरू हो जायेंगे और बीज सीधी कतार में गिरने लगेंगे।
- एक बार में 8 कतारें बोई जा सकती हैं, जिनके बीच की दूरी 20 से मी रहती है।
- पहली लाइन पूरी होने पर सीडर को उठाकर वापसी दिशा में रख लें। पहली लाइन वाले पहिये के निशान पर दूसरी लाइन वाला पहिया रखना चाहिये, जिससे कतारों की दूरी में फर्क ना आये।
- ध्यान से ड्रमों को पुन: भर लें, जब उनमें बीज 1/4 से कम रह जायें।
- सीडर को खींचते हुए एक सधी रफ्तार में सीधी लाइन में चलें।
- सीडर ड्रम के बीज निकासी के छिद्रों को बीच बीच में देख लें कि वो सही प्रकार से बीज गिरा रहे हैं या नहीं। छिद्रों में बीज फसने या बन्द होने की दशा में उन्हें साफ करके पुन: खोल दें।
- इस सीडर से एक व्यक्ति एक दिन में लगभग 2 से 2.5 एकड़ बुआई कर सकता है।
- डायरेक्टर सीडिंग द्वारा उपजी फसल रोपाई की फसल से कम से कम एक हफ्ते पहले तैयार हो जाती है।

बुआई के बाद खेत का रख-रखाव

- बुआई के बाद पानी भराव को नियंत्रित रखना अति आवश्यक है, जिससे बीज जमीन में पकड़ बना सके।
- बुआई के 3 दिन बाद खेत में पानी भरकर फौरन निकाल दें। यह प्रक्रिया दो सप्ताह तक चलती है।
- इसके बाद जैसे जैसे पौधे बड़े हों वैसे वैसे पानी का भराव बढ़ ायें। ध्यान रहे कि पौधे पूरे डूबने नहीं चाहिये।
- पानी भरने से खर-पतवार पर प्राकृतिक अंकुश लगा रहता है।
- भारी वर्षा वाले क्षेत्रों में पानी नियंत्रण कर विशेष ध्यान देना होगा ताकि बोये हुए बीज पानी की धार में बहने न पायें।

खर-पतवार नियंत्रण

- पानी भरे खेत में खर पतवार प्राकृतिक रूप से नियंत्रित रहते हैं, इनके फैलने पर ध्यान देना आवश्यक है।
- खर-पतवार को निकालने की क्रिया बीच बीच में करनी होती है।
- ज्यादातर बुआई के 10 दिन बाद खर-पतवार को पूरी तरह हटाना चाहिये।
- ऐसे ही 10-10 दिन के अंतराल में खर-पतवार हटाना जरूरी है।
- खर पतवार के सही तथा उचित नियंत्रण के लिए वीनस कोनो वीडर का प्रयोग करें।

वीनस पैडी ड्रम सीडर का रख रखाव

- बोआई के उपरान्त ड्रमों के ढक्कन खोल करके उन्हें अन्दर से अच्छी तरह साफ कर लें।
- ड्रमों से निकाले गये डाट (प्लग) को छेदों में वापस लगा दें।
- चारों ड्रम, स्पेसर, होल्डर, पहिये, हैंडल व एक्सल अच्छी तरह पोछ कर सुखा लें और पुन: इस्तेमाल के लिए पैक कर दें।

चेतावनी-

ध्यान रहे कि ड्रम सीडर के प्लास्टिक के भागों को चूहों से बचा कर रखें। चूहे किसी भी उपकरण के प्लास्टिक के भागों को कुतर कर हानि पहुंचा सकते हैं।

निर्माता :
एलाईड स्प्रेयर्स प्राइवेट लिमिटेड
68/2-बी वजीर हस्सन रोड, लखनऊ-226001
टेलीफोन नं -9415180936, 9839125764
Website: www.alliedsprayers.com